जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

23 सितंबर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

डिजिटल कौशल और उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु जामिया ने जर्मन इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जीआईजेड) के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपनी "डिजिटल स्किल्स टू सक्सीड इन एशिया" (डीएस2एस) पहल के अंतर्गत जर्मन इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जीआईजेड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षरित किया है । इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य जामिया मिल्लिया इस्लामिया में डिजिटल कौशल, रोजगार क्षमता एवं उद्यमिता को बढ़ाने हेउट दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करना है।

समझौता ज्ञापन पर जामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो मोहम्मद शकील की गरिमामयी उपस्थिति में जामिया के कार्यवाहक कुलसचिव श्री नसीम हैदर और जर्मन इंटरनेशनल कोऑपरेशन, इंडिया के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए, जिनमें एशिया में सफलता के लिए डिजिटल कौशल परियोजना प्रमुख श्रीमती सबरीना गार्सिया, शिक्षा एवं युवा सलाहकार श्रीमती प्रेयांसी मणि तथा शिक्षा एवं युवा सलाहकार सुश्री मेहर कौर शामिल थीं।

इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित जामिया के अन्य महत्वपूर्ण अधिकारी थे; प्रो. रिहान खान सूरी, निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईई), प्रो. मिनी एस थॉमस, डीन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया, प्रो. सिमी फरहत बसीर, डीन, छात्र कल्याण, जामिया, प्रो. एस एम मुजक्किर, इनोवेशन समन्वयक, आईआईसी 6.0, प्रो. नसीब अहमद, संयोजक, आईआईसी 6.0, प्रो. निसार खान, स्टार्ट-अप समन्वयक, आईआईसी 6.0।

अपसी सहयोग के प्रमुख क्षेत्र निम्नानुसार हैं -

जामिया मिल्लिया इस्लामिया और जर्मन इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जीआईजेड) के बीच साझेदारी का उद्देश्य है:

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस एवं डिजिटल उद्यमिता जैसे डिजिटल कौशल में रोजगार-संचालित माइक्रो-क्रेडेंशियल पेश करना। इन माइक्रो-क्रेडेंशियल को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के स्नातक कोर्सों में शामिल किया जाएगा।

2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस थीम पर 4-5 प्रशिक्षण सत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संकाय विकास कार्यक्रमों को लागू करना, यह सुनिश्चित करना कि संकाय सदस्य डिजिटल इनोवेटर्स की भावी पीढ़ी का नेतृत्व करने के लिए सुसज्जित हैं।

3. भारत, वियतनाम, बांग्लादेश एवं जर्मनी के विश्वविद्यालयों को जोड़ने वाले क्षेत्रीय डिजिटल कौशल नेटवर्क में भागीदारी को बढ़ावा देना। इस सहयोग में तीन नेटवर्क मीटिंग शामिल होंगी, जिनमें से एक भारत, वियतनाम और बांग्लादेश में होगी।

साझा मूल्यों और रणनीतिक दृष्टि के प्रति प्रतिबद्धता

सम्झौता ज्ञापन डिजिटल युग की उभरती जरूरतों और प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए आपसी प्रतिबद्धता स्थापित करता है। दोनों पक्षों ने परियोजना के उद्देश्यों को निर्देशित करने वाले सामान्य सिद्धांतों को बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे एक मजबूत और टिकाऊ साझेदारी सुनिश्चित होगी।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मोहम्मद शकील ने सहयोग के महत्व पर बल देते हुए यह कहा कि , "जीआईजेड के साथ यह साझेदारी हमारे छात्रों और शिक्षकों को भविष्य के लिए कौशल के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह जामिया मिल्लिया इस्लामिया में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।"

जर्मन इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जीआईजेड) इंडिया की श्रीमती सबरीना गार्सिया ने भी इस भावना को दोहराया, उन्होंने यह कहा कि , "जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साथ मिलकर काम करके, हम एक ऐसा मंच बना रहे हैं जो छात्रों को महत्वपूर्ण डिजिटल दक्षताओं से लैस करता है और क्षेत्रीय तथा वैश्विक डिजिटल परिवर्तन में योगदान देता है।"

इस सहयोग से जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रों और शिक्षकों के लिए नए दरवाजे खुलने की उम्मीद है, जिससे विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में डिजिटल कौशल शिक्षा तथा उद्यमिता में अग्रणी बन जाएगा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया